केवल अनुपस्थित परीक्षार्थीओं के लिए : केवल 'बारकोड' अंकित यही एकमात्र पृष्ठ नीचे दी गई रेखा से काटकर पत्रक - A तथा पत्रक - B के साथ वापस भेजना है ।

इस प्रश्नपत्र में से कम या ज्यादा मात्रा में प्रश्न दिनांक १ मार्च, २००९ को होनेवाली मुख्य परीक्षा में भी पूछे जाने की संभावना है ।

बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था - सत्संग शिक्षण परीक्षा

पूर्व कसौटी - सत्संग प्रारंभ

जनवरी, २००९ **समय : सुबह ९.०० से १२.००** **कुल गुणांक : १००**

स्वामिनारायण
BAPS

अनुपस्थित परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका का केवल यही पृष्ठ वापस भेजना है ।

☞ **परीक्षार्थी के नाम सम्बंधित विवरण के साथ 'बारकोड' अंकित किया गया है । कृपया उस पर किसी प्रकार का नुक़सान मत किजिए ।**

अनिवार्य : निम्न लिखित सूचना की परीक्षार्थी को अपने आप पूर्ति करनी है

परीक्षार्थी का जन्म दिन — दिनांक ☐☐ महिना ☐☐ वर्ष ☐☐☐☐

परीक्षार्थी का अभ्यास .....

परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका पर अंकित नाम सहित अनिवार्य विवरण की सत्यता की जाँच करने के पश्चात् वर्ग निरिक्षक हस्ताक्षर करें ।

वर्ग निरिक्षक के हस्ताक्षर .....

☞ परीक्षार्थीओं को महत्वपूर्ण सूचनाएँ :-

१. मुख्य परीक्षा के दिन वर्गखंड में उपस्थित प्रत्येक परीक्षार्थी वर्ग निरिक्षक से अपनी नामयुक्त उत्तर पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर वर्ग निरिक्षक के हस्ताक्षर करा लें ।

२. **बिना वर्ग निरिक्षक के हस्ताक्षर की उत्तर पुस्तिका मान्य नहीं होगी ।**

३. दायीं ओर दिए गए अंक प्रश्न के गुण दर्शाते हैं ।

४. सूचनानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए । अस्पष्ट उत्तर अमान्य होंगे ।

५. **परीक्षार्थी केवल ब्लू या केवल काली स्याही वाली पेन से ही उत्तर पुस्तिका में उत्तर लिखे । पेन्सिल से अथवा लाल, हरी या अन्य स्याही से लिखे गए उत्तर या एक से ज्यादा स्याही से लिखि गई उत्तर पुस्तिका मान्य नहीं होगी ।**

६. प्रश्न के गुण → गुण : १ ☐ ← परीक्षक को प्रश्न जाँचकर गुण लिखने की जगह

७. **परीक्षा खंड के बाहर** और अन्य सभी परीक्षार्थीओं से अलग या परीक्षा के नियमों का उल्लंघन कर के दी गई परीक्षा मान्य नहीं होगी ।

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	१ (९)	
	२ (४)	
	३ (४)	
	४ (५)	
	५ (८)	
	६ (६)	
विभाग-१, कुल गुण		

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	७ (९)	
	८ (४)	
	९ (६)	
	१० (५)	
	११ (६)	
विभाग-२, कुल गुण		

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	१२ (४)	
	१३ (८)	
	१४ (४)	
	१५ (८)	
	१६ (५)	
	१७ (५)	
विभाग-३, कुल गुण		

परीक्षक के हस्ताक्षर

.....

મોડરેશન વિભાગ માટે જ

ગુણ શબ્દોમાં . . . . . .

ચેક૨ - નામ

विभाग - १ : घनश्याम चरित्र

प्र. १ निम्नलिखित विधान कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए । **(९)**

१. ''एक भी ब्राह्मण को नीचे उतरने देना नहीं ।''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

.....

२. ''आप यों अचानक क्यों रुक गए ?''

३. ''लक्ष्मीजी ने ही मुझे चिड़िया का रुप लेकर आपके पास आने को कहा था ।''

प्र. २ निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । **(४)**

१. गुंडा गाँव के मन्दिर में ठाकुरजी ने क्या किया ?

.....

.....

२. नवाब से परेशान होकर धर्मदेव कुटुंब सहित कुछ दिनों के लिए अयोध्या छोड़कर कौन-से गाँव में रहने गए थे ?

३. अंत समय धर्मपिता को घनश्याम में किस किसके दर्शन हुए ?

४. एकादशी करने से कितना पुण्य मिलता है ?

प्र. ३ निम्नलिखित गलत वाक्य को उसके विषय के अनुलक्ष्य में सही लिखिए । **(४)**

सूचना :- संपूर्ण वाक्य सही लिखा होगा तो ही गुण प्राप्त होंगे । अन्यथा एक भी गुण प्राप्त नहीं होगा ।

१. मछलियों को जीवित किया :- बल्लमपढरी में यमराज ने राजा को स्वर्ग के सुख दिखाएँ और देवदूतों के पास दूधपाक खिलाया ।

उ. .....

.....

२. प्रभु का नामकरण :- दो मास के घनश्याम का नाम विदुर मुनि ने हरिकृष्ण, घनश्याम और नीलकंठ रखे ।

३. खांपा तलैया :- घनश्याम को बायें पैर की जाँघ में खरोंच लग गई, इसलिए पाताल में से तक्षक, महेश, ब्रह्मा आदि देवों ने आकर नागलोक के वैद्य कुमारपाल को बुलाया ।

४. रामदयाल को दर्शन :- साढ़े तीन मास के घनश्याम अपने आप चौकी से उतरकर दूर पड़ी दड़ी लेकर फिर चौकी पर बैठ गए ।

प्र. ४ निम्नलिखित प्रसंग के केवल पाँच मुख्य विधान लिखिए । (लगातार विवरण आवश्यक नहीं है।) **(५)**

हनुमानजी की सेवा ।

१. .....

.....

२. .....

.....

३. .....

.....

४. .....

.....

५. .....

.....

प्र. ५ निम्नलिखित विकल्पों में से केवल सही विकल्प के आगे दिए गए खाने में सही (✓) का निशान करें । **(८)**

सूचना : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं । सभी सही विकल्प के आगे ही सही का निशान किया होगा तभी पूर्ण गुण दिए जायेंगे, अन्यथा एक भी गुण नहीं दिया जाएगा ।

१. लक्ष्मीबाई को चमत्कार ।

(१) ☐ वेणी और माधव भाग गए ।

(२) ☐ आज तो तुम्हारी पूरी फज़ीहत करुँगी ।

(३) ☐ घनश्याम के बदले में माधवराम बँधा हुआ दिखायी दिया ।

(४) ☐ भक्तिमाता से क्षमायाचना करने लगी ।

२. सारी रसोई खा गए ।

(१) ☐ उठो, लाल प्रभात भयो है । (२) ☐ सारे बरतन खाली कर दिए हैं ।

(३) ☐ जन्माष्टमी का उत्सव मनवाया । (४) ☐ भक्तिमाता ने सारी रसोई ठाकुरजी के पास धर दी ।

३. मुमुक्षु किस दिशा की ओर ?

(१) ☐ पीपल । (२) ☐ नीम । (३) ☐ पश्चिम । (४) ☐ पूर्व ।

४. सोलह चिह्न ।

(१) ☐ आपका पुत्र घनश्याम कौन है ?

(२) ☐ बायें पैर में नौ चिह्न देखें ।

(३) ☐ मखमल की सुनहले बेलबूटे वाली टोपी और सुरवाल भेंट दिये ।

(४) ☐ राजा ने चरणों में गिर कर स्तुति की ।

प्र. ६ निम्नलिखित विधानों के बारे में कारण लिखिए । (दो से तीन पंक्ति में) **(६)**

१. महावत घनश्याम के चरणों में गिर पड़ा ।

.....

.....

.....

.....

२. बन्दर डरके मारे भाग गए ।

३. धर्मदेव का गौरव बढ़ गया ।

विभाग - २ : योगीजी महाराज

प्र. ७ निम्नलिखित विधान कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए । **(९)**

१. ''आप यदि यहाँ जूनागढ़ वापस लौंटे तो आपके स्वागत के लिए मैं जेतपुर तक आउँ ।''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

.....

२. ''तुम्हें साधु बनाकर मैं तुमसे अपनी सेवा करवाना नहीं चाहता ।''

३. ''तुम इनके सर पर हाथ रखो, जिस से तुम जैसे गुण इनमें आएँ ।''

प्र. ८ निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । **(४)**

१. योगीजी महाराज से अलग होते समय युवकों को कैसा लगता ?

.....

.....

२. ओपरेशन के बाद होश में आते ही योगीजी महाराज ने क्या पूछा ?

३. बच्चों से योगीजी महाराज कौन सी धुन गवाते ?

४. प्रकट स्वरूप को कैसा समझना चाहिए ?

प्र. ९ निम्नलिखित विषय के सूचनानुसार छः सही क्रमांक और उस सही क्रमांक को घटनाक्रम के अनुसार लिखिए । **(६)**

विषय : झीणा भगत जूनागढ़ में ।

१. पार्षद-दीक्षा मिलने के बाद वे झीणाभाई से ज्ञानजी स्वामी बने । **२.** गाय-भैसें चरती हों तब झीणा भगत भजन गाते । **३.** संवत १८६५ के कार्तिक कृष्णा सप्तमी के दिन झीणाभाई ने घर-संसार का त्याग कर दिया । **४.** हररोज सुबह वे झाडू लगाते, गोबर साफ़ करते और उपले भी बनाते थे । **५.** माता पुरीबाई ने झीणाभाई को अन्तिम बार हलवा (शीरा) बनाकर खिलाया । **६.** संवत १९६५ के कार्तिक कृष्णा चतुर्दशी के दिन पार्षद की दीक्षा दी गई । **७.** सद्गुरु विज्ञानदास स्वामी ने पार्षद-दीक्षा दी । **८.** जब गाये चराने जाते तब तीन सौ दातून की छड़ियाँ ले आते । **९.** गिरनार की तलहटी में गाय-भैसों को चराने जाते थे । **१०.** कलशीभाई के साथ वे जूनागढ़ पहुँचे । **११.** देर तक कथा में बैठने पर भी दूसरे दिन गुरु की सेवा के लिए प्रातःकाल चार बजे उठ जाते थे । **१२.** कथा के समय हररोज धुन बुलवाते और भजन गान करते थे ।

केवल सही क्रमांक : ☐ ☐ ☐ ☐ ☐ ☐

यथार्थ घटनाक्रम : ☐ ☐ ☐ ☐ ☐ ☐

सभी उत्तर क्रमांक सही होंगे तो ही ३ गुण प्राप्त होंगे । घटनाक्रम भी सही होगा तो ही ३ गुण प्राप्त होंगे । अन्यथा एक भी गुण प्राप्त नहीं होगा ।

प्र.१० निम्नलिखित प्रसंग के बारे में १५ पंक्ति में टूंकनोंध लिखिए । (वर्णनात्मक) **(५)**

अँधेर खण्ड को उजाला दिया ।

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

प्र.११ निम्नलिखित विधानों के बारे में कारण लिखिए । (दो से तीन पंक्ति में) **(६)**

१. पाठशाला के शिक्षकों ने झीणाभाई से कहा, ''तो फिर साधु क्यों नहीं बन जाता ?''

.....

.....

.....

.....

२. मोहनकाका की नज़र झीणाभाई पर पड़ी ।

३. शास्त्रीजी महाराज ने योगीजी महाराज को अक्षर देहरी में सुलाने को कहा ।

विभाग – ३ : किशोर सत्संग प्रारंभ

प्र.१२ निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । **(४)**

१. कौन से दो संतों के द्वारा पूँजाभाई को सत्संग हुआ ?

.....

.....

२. भक्ति कैसे करनी चाहिए ?

३. वाल्मीकि ऋषि पहले क्या थे ?

४. श्रीजीमहाराज ने कहाँ, कितनी गदियाँ स्थापित की ?

प्र.१३ निम्नलिखित विकल्पों में से केवल सही विकल्प के आगे दिए गए खाने में सही (✓) का निशान करें । **(८)**

सूचना : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं । सभी सही विकल्प के आगे ही सही का निशान किया होगा तभी पूर्ण गुण दिए जायेंगे, अन्यथा एक भी गुण नहीं दिया जाएगा ।

१. भाल की बीबी :

(१) ☐ भाल प्रदेश में सरंढी गाँव में रहती थी ।

(२) ☐ अपने आँगन में बबूल का पेड़ उगाया था ।

(३) ☐ महाराज ने दादाखाचर को दातून लाने के लिए कहा ।

(४) ☐ ले, मेरे इधन में से दो ईधन दे दे, मेरा भी कल्याण हो जाए ।

२. गुणातीतानन्द स्वामी ।

(१) ☐ डभाण में दीक्षा । (२) ☐ गोंडल में जन्म ।

(३) ☐ जूनागढ़ के महन्त । (४) ☐ योगेश्वरदासजी मुख्य शिष्य ।

३. भगुजी की वीरता ।

(१) ☐ उन्नीस घाव लगे । (२) ☐ आरती, झालर, नगाड़ें बंद करवाए ।

(३) ☐ मस्तक लानेवाले को ज़मीन का इनाम । (४) ☐ अपने घाव पर कपड़ा बाँध दिया ।

४. बालमण्डल की सभा में बर्ताव ।

(१) ☐ नापसंद प्रसाद को फेंक देना । (२) ☐ पानी ऊपर से पीना ।

(३) ☐ एक ही खेल का आग्रह करना । (४) ☐ पहले संतों को नमस्कार करना ।

प्र.१४ निम्नलिखित विधानों में रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए । **(४)**

१. बाहर का खाना खाने से ..... संस्कार होते हैं ।

२. पाणवी के राजपूत भक्त ..... थे ।

३. ..... राजा घण्टों तक भगवान की पूजा करते थे ।

४. नारदजी ने अजामिल के लड़के का नाम ..... रखा ।

प्र.१५ निम्नलिखित कीर्तन / अष्टक / श्लोक की अपूर्ण पंक्तियों की पूर्ति कीजिए । **(८)**

१. ''जमो थाल जीवन .....

..... रस केरीनो घोली ।''

२. ''चरणसरोज ..... नरनारी ।''

३. ''हम सभी स्वामी के ..... मृत्यु के लिए ।'' (शौ.गी.)

४. ''श्री हरि जय जय ..... भवभयहारी ।''

प्र.१६ निम्नलिखित 'स्वामी की बात' पूर्ण कीजिए और इसके बारे में निरूपण कीजिए । (प्रंदह पंक्तियाँ) **(५)**

जैसे बरौनी आँख की.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

प्र.१७ निम्नलिखित प्रसंग के केवल पाँच मुख्य विधान लिखिए । (लगातार विवरण आवश्यक नहीं है।) **(५)**

शास्त्रीजी महाराज ।

१. .....

.....

२. .....

.....

३. .....

.....

४. .....

.....

५. .....

.....